Roll No : .....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **3**

AP–465

M.A. (Final) Examination, 2021

RAJASTHANI

Paper - IV (i)

(विशिष्ट साहित्यकार ईसरदास)

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks : **100***

नोट :– सगळा सवालां रा उत्तर राजस्थानी में ई देवणा है।

(खण्ड–अ) **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सगळा **दस** सवालां रा पडूत्तर दिरावो। हरेक सवाल वास्तै **50** सबद अर **2** अंक राखीज्या है।

(खण्ड–ब) **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात मांय सूं किणी पांच सवालां रा पडूत्तर दिरावो। हरेक सवाल वास्तै **200** सबद अर **8** अंक राखीज्या है।

(खण्ड–स) **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार मांय सूं किणी **दो** सवालां रा पडूत्तर दिरावो। हरेक सवाल वास्तै **500** सबद अर **20** अंक राखीज्या है।

खण्ड–अ प्रत्येक 2

1. नीचै लिख्या सवालां रा उत्तर दिराओ–

   (i) 'नारायण हूं तुझ नमां, इण कारण हरि अज्ज' कैवतां कवि ईसरदास 'नारायण-नमण' रो काईं कारण बतावै ?

(ii) बारहठ ईसरदास अर पीताम्बर भट्ट री मुलाकात कठै अर किण भाँत हुई ?

(iii) करण श्रवियो कुण हो ? ईसरदास बारहठ रै जीवण री कुणसी चमत्कारी घटना करण श्रविया सूं जुड़ी है ?

(iv) कवि ईसरदास 'जमवारो बोळावियो, ज्यूं जंगळ हिरणांह' रै ओळवै सांसारिकां नैं काईं संदेसो देवै ?

(v) बारहठ ईसरदास नैं सचाणो गाम मिलण रै प्रसंग री विगतवार जाणकारी दिराओ।

(vi) ईसरदास बारहठ आपरै 'देवियांण' ग्रंथ में कुण-कुण सा छंद बरत्या है ? जाणकारी कराओ।

(vii) ''केहरि केस भमंग मणि, सरणाई सुहड़ांह/सती पयोहर कृपण धन, पड़सी हाथ मुवांह'' दूहै रो अरथ उघाड़ो।

(viii) 'हालां झालां रा कुंडळिया' में आयोड़ा हाला अर झाला सरदारां री जाणकारी कराओ।

(ix) ईसरदास बारहठ आपरै जीवण रै उत्तरार्द्ध में कठै अर किण दसा में रैया ? बताओ।

(x) ईसरदास बारहठ कृत 'हरिरस' में कितरा कांड है ? वांरा क्रमवार नाम लिखो।

खण्ड-ब प्रत्येक 8

2. ईसरदास बारहठ रै सिरजण-संसार री ओपती ओळखाण कराओ।

3. सांगो गौड़ कुण हो ? ईसरदास बारहठ अर सांगै गौड़ रै प्रसंग नैं विगतवार बताओ।

4. 'नजरै मत देखाड़जे, राड़धरो थूं नाथ' कवि ईसरदास राड़धरा सारू इती कड़वी बात क्यूं लिखी ?

5. हरिरस रै 'सत्य महिमा' अर 'श्रीमद भागवत महिमा' रो भाव खुद रै सबदां मांडो।

6. ईसरदास बारहठ कृत 'छोटा हरिरस' री विषयवस्तु अर प्रतिपाद्य री जाणकारी दिराओ।

7. नीचै दियोड़ै छंद री प्रसंग सेती व्याख्या करो-

मणां तेल तिल मांय, वास जिम पुहुप विराजत।

रंग मजीठ सु रहत, सबद अरथादिक साजत।

वेळा सायर वसत, दारु मझ अगन दिखावत।

पयस मांझ घृत पूर, ऊख मधु रस उपजावत।

वळि दाहकता पावक विसै, साधूजण सोहै सहण।

ईसरो भणै त्यूंही अवस, मो मन वसियो महमहण॥

8. नीचै दियोड़ै छंद री प्रसंग सेती व्याख्या करो–

हंस मांहळा मूढ़ रे, कर हर-सर विसरांम।

मर मर धर पर फर मती, उर धर गिरधर नाम॥

जीह भणोभण जीह भण, कंठ भणोभण कंठ।

मो मन लागो महमहण, हीर पटोळै गंठ॥

खण्ड–स प्रत्येक 20

9. ईसरदास बारहठ कृत 'हरिरस' नैं आधार में राखतां 'प्रभु-नाम-स्मरण' री महत्ता रो दाखलां सेती खुलासो करो।

10. 'राजस्थानी सगती-काव्य-परम्परा में बारहठ ईसरदास रो अवदान' विषय पर अेक आलोचनात्मक निबंध लिखो।

11. ईसरदास री भगती-भावना री ओपतै उदाहरणां सेती विरोळ करो।

12. ईसरदास बारहठ कृत 'हरिरस' ग्रंथ रो काव्य सौंदर्य उद्‌घाटित करो।